बृहस्पतिवार
07 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

प्रोटीन का पावरहाउस है गोभी जैसी दिखने वाली ब्रोकली, खाने से शरीर बनता है स्ट्रांग

पृष्ठ 5

सालार के ट्रेलर में जबर्दस्त धांसू अवतार में छाए प्रभास

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 294
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

– गौतम बुद्ध

निवेशकों का महाकुंभः कल पीएम करेंगे उद्घाटन

❑मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों के साथ तैयारियां परखी

❑पुलिस प्रशासन ने किया फुल ड्रेस रिहर्सल
❑सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद इंतजाम
❑डेलिगेशन्स के पहुंचने का सिलसिला शुरू
❑सीएम आवास पर आज रात का डिनर

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शासन-प्रशासन द्वारा कल और परसों होने वाले निवेशकों के महाकुंभ के आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों के साथ आज तैयारियों का जायजा लिया तथा उन्हें सतर्क किया कि इंतजाम में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करने दून आ रहे हैं। इस आयोजन के समापन अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह के आने का कार्यक्रम भी तय है व वीआईपी मूवमेंट के मद्देनजर इस आयोजन की तैयारियां भी उतनी ही भव्य व दिव्य की गई है। देश-विदेश से 3 हजार के आसपास मेहमान इस आयोजन में आने वाले हैं। जिनके डेलीगेट्स का आना शुरू हो चुका है। किसी भी निवेशक और उद्योगपति को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो उसके लिए विशेष तौर पर उद्योग मित्रों की नियुक्ति की गई है।

निवेशकों के इस महाकुंभ में गौतम अडानी और अनिल अंबानी से लेकर तमाम बड़े-बड़े पुराने औद्योगिक घराने और सीआईआईए के महानिदेशक तक आने वाले हैं जो न सिर्फ बड़ा निवेश कर सकते हैं बल्कि समिट को उनके द्वारा संबोधित भी किया जाएगा। जिनकी राय पर इस समिट की सफलता निर्भर करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी भी इस समिट में अपनी बात निवेशकों के सामने रखने वाले हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो इस दशक को उत्तराखंड के विकास का दशक बता चुके हैं वह भी निवेशकों को यह जरूर बताएंगे कि उत्तराखंड में निवेश के भविष्य में उन्हें क्या-क्या फायदे हो

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

किसानों की समस्याओं को लेकर पूर्व सीएम ने दिया मौन धरना

❑सरकार पर लगाया वायदा खिलाफी का आरोप

विशेष संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज किसानों की समस्याओं को लेकर स्थानीय गांधी पार्क में अपने समर्थकों के साथ मौन धरना प्रदर्शन किया।

धरने पर बैठने से पूर्व उन्होंने राज्य की प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि वह किसानों के साथ वायदा खिलाफी कर रही है तथा उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि मानसूनी आपदा के दौरान हरिद्वार और रुड़की क्षेत्र में जल भराव के कारण किसानों की हजारों हेक्टेयर भूमि को नुकसान पहुंचा और उनके खेतों में खड़ी फसल तबाह हो गई। उन्होंने कहा कि आपदा के समय वह खुद क्षेत्र में गये और स्थिति का जायजा लिया। किसानों को साथ लेकर वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिले और उन्होंने किसानों की हर संभव मदद का भरोसा दिया था। लेकिन जब मदद देने की बारी आई तो उन्हें 1500 रूपये बीघा के नुकसान का मुआवजा दिया गया जो एक तरह से जले पर नमक छिड़कने जैसा ही है। उनका कहना है

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

रेवंत रेड्डी बने तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। हैदराबाद में आयोजित भव्य कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल टी सौंदरराजन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ 11 मंत्री भी बनाए गए हैं। स्पीकर का पद गद्दम प्रसाद कुमार को सौंपा गया है। भट्टी विक्रमार्क को डिप्टी सीएम बनाया गया है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत तमाम नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में करीब एक लाख लोग शामिल हुए। शपथ लेने से पहले रेवंत रेड्डी खुली जीप में सोनिया गांधी को लेकर स्टेडियम में पहुंचे। पीएम मोदी ने ट्वीट कर रेवंत रेड्डी को सीएम बनने पर बधाई दी है। रेवंत रेड्डी के अगुवाई में 12 सदस्यीय कैबिनेट का गठन किया गया है। दलित समुदाय से आने वाले मल्लू भट्टी विक्रमार्क को डिप्टी सीएम बनाया गया है तो मंत्री बनने लेने वाले नेताओं में उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदर राजा नरसिम्हा, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, दुल्ला श्रीधर बाबू, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पूनम प्रबाकर, कोंडा सुरेखा, तुमाला नागेश्वर राव, अन्नसुइया सिथाका और जुपाली कृष्णा राव के नाम शामिल हैं। हालांकि, आगे और भी मंत्रियों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

फ्री में सिगरेट नहीं देने पर बदमाशों ने दुकानदार को मारी गोली

नई दिल्ली। दिल्ली के सागरपुर में फ्री में सिगरेट नहीं देने पर तीन बदमाशों ने पहले तो दुकानदार की पिटाई की इसके बाद उसे गोली मार दी। दुकानदार को गोली मारने के बाद बदमाशों ने 2 राउंड फायरिंग की और फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार घायल दुकानदार की पहचान इरफान के तौर पर हुई है। वह परिवार के साथ सागरपुर के रघु नगर में रहते हैं और वहीं किराने की दुकान चलाते हैं। पुलिस को दी जानकारी के अनुसार 28 नवंबर को कुणाल उसकी दुकान पर आया और एक सिगरेट का पैकेट मांगा। इस पर इरफान ने उसे पैकेट दे दिया। जब इरफान ने पैसे मांगे तो कुणाल ने कहा कि वह पैसे देता नहीं लेता है। इसके बाद कुणाल ने उसे ध मकाया और चला गया।

घटना के बाद 3 दिसंबर को कुणाल फिर आया और फिर से सिगरेट मांगने लगा इस पर इरफान ने सिगरेट दी और पैसे मांगे तो देने से मना कर दिया। इसके बाद तीन नकाबपोश उसकी दुकान पर आए और हमला कर दिया। तीनों ने सिगरेट नहीं देने की बात पर उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद उनमें से किसी एक ने बंदूक निकाली और गोली चला दी। इसमें एक गोली इरफान के पैर में लगी।

फायरिंग के बाद जब वहां भीड़ जमा होने लगी तो आरोपी पिस्टल लहराते हुए भाग गए। इसके बाद मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने इरफान को अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपी युवकों की तलाश में जुटी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

विपक्ष अपने गिरेबान में झांके

10 साल पहले मोदी के नेतृत्व में जब भाजपा ने केंद्र की सत्ता संभाली थी तब एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों से संवाद कर रहे थे उन्होंने एक बच्चे से पूछा था कि तुम क्या बनना चाहते हो तो बच्चे ने तपाक से कहा था प्रधानमंत्री। तब मोदी के मुंह से अनायास ही यह शब्द निकले थे कि बेटा 15 साल तो भूल ही जाओ। शायद प्रधानमंत्री भी उस समय यह भूल गए थे कि वह किसी नेता से वाद-विवाद नहीं कर रहे हैं एक मासूम बच्चे से बात कर रहे हैं जो आगामी 15 वर्षों में चुनाव में जाने योग्य भी नहीं होगा। लेकिन उनका यह कथन न सिर्फ मोदी की महत्वाकांक्षा और उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक ही है जो आज वर्तमान में वह अपनी तीसरी पाली की तैयारी में ही नहीं जुटे हैं बल्कि आत्मविश्वास से इतने भरपूर है कि उन्हें और उनकी पार्टी बीजेपी को चुनाव से पहले ही यह पक्का विश्वास हो चुका है कि 2024 के आम चुनाव में उनकी जीत और मोदी का अगले 5 साल के लिए प्रधानमंत्री बनना तय है। भले ही राजनीति और क्रिकेट कितनी भी अनिश्चितता भरा खेल क्यों न हो लेकिन भाजपा और मोदी जिनको लेकर कहा जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है, मुमकिन ही नहीं उनके लिए यह टास्क अत्यंत आसान बना चुका है। मोदी ने सत्ता में आने के बाद देश की राजनीति की नीति और रीति को ही बदलकर रख दिया है। इससे पहले कभी देश के लोगों ने यह नहीं देखा था कि एक प्रधानमंत्री किसी भी राज्य के विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी खुद पार्टी का स्टार प्रचारक बनकर संभाले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो पिछले 10 सालों से सिर्फ यह ही कर नहीं रहे हैं बल्कि किसी भी चुनाव में जीत की गारंटी बन चुके हैं। अभी हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। मोदी और अमित शाह ने देश की राजनीति के चेहरे मोहरे को ही नहीं बदला है बल्कि उन्होंने भाजपा के चाल चरित्र को भी पूरी तरह बदल दिया है। ब्यौवृद्ध नेताओं को मार्गदर्शकों की सूची में डालने के लिए जाने जाने वाली भाजपा के अंदर एक भी नेता इतनी हिम्मत और साहस नहीं कर सकता है जो यह करना तो दूर यह कह भी नहीं सकता है कि मोदी की उम्र अधिक हो चुकी है उन्हें अब पार्टी का मार्गदर्शक बना दिया जाए। मोदी ने अपनी राजनीति के 10 सालों में विपक्ष की ताकत को लगभग शून्य कर दिया है। उन्होंने जब देश की सत्ता संभाली थी तब भाजपा ने कांग्रेस मुक्त भारत का एक नारा उछाला था। कांग्रेस ही नहीं तब देश के लोगों को यह एक मजाक जैसी बात लगी थी। कांग्रेस क्योंकि देश की सबसे बड़ी और पुरानी पार्टी है तथा उसने अपने जीवन काल में तमाम तरह के उतार-चढ़ाव देखे हैं अनेक बार वह घने काले अंधकार को चीरकर फिर और अधिक सशक्त बनकर उभरती रही है लेकिन इस बार वह अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए सिर्फ संघर्ष करती ही दिख रही है। सत्ता सुख की आदी रही कांग्रेस के आधे नेता सालों के इंतजार के बाद कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा के पाले में चले गए हैं वही जो बाकी बचे हैं वह या तो उस मिस कारतूस की तरह है जो अब धमका पाने के काबिल भी नहीं बचे हैं या फिर वह सड़कों पर उतरकर सिर्फ भाजपा के खिलाफ धरने प्रदर्शन और पुतला दहन करने की राजनीति तक ही सीमित रह गए हैं। ऐसी स्थिति में अकेले राहुल गांधी जो अपनी पद यात्राओं से मोहब्बत की दुकान चलाने की कोशिश कर रहे हैं वह भी कामयाब होती नहीं दिख रही है। हालात ऐसे अजब गजब हो चुके हैं कि कांग्रेस की तो बात ही छोड़िए पूरा विपक्ष मिलकर भी भाजपा के मुकाबले में असमर्थ दिखाई दे रहा है और उनका यह गठबंधन इंडिया भी सहयोगी दलों के निजी स्वार्थों की भेंट चढ़ता दिख रहा है। कल संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के महानिर्वाण दिवस पर तमाम दलों के नेता जब उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे तो वह जरूर इस बात को सोच रहे होंगे कि उन्होंने भारत के लोकतंत्र का जो विधान बनाया था उसमें तो कहीं एक दलीय सत्ता के अखंड साम्राज्य को शामिल नहीं किया गया था तो फिर यह कैसे संभव हो गया? इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं को अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है।

सड़क हादसे में भाजपा नेता की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सड़क हादसों के चलते एक और दुखद घटना सामने आ रही है, जिसमें नैनीताल जिले के भाजपा नेता सचिन जोशी की दर्दनाक मौत हो गई है। इस हादसे से भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है और उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा नेता सचिन जोशी देर रात नैनीताल से अपने घर को आ रहे थे। रास्ते में, उनकी कार नैनीताल-हल्द्वानी रोड के आमपड़ाव के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुखद हादसे में सचिन जोशी की दर्दनाक मौत हो गई। सुबह ग्रामीणों ने कार खाई में

गिरे होने की सूचना पुलिस प्रशासन को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

भाजपा के महामंत्री पदमपुर देवलिया, क्षेत्रीय विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल, पूर्व विधायक नवीन चंद दुम्का, जिला पंचायत सदस्य कमलेश चंदोला, सहित क्षेत्र के तमाम लोगों ने इस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है।

शराब की पेटियों से पव्वे निकालकर सड़क पर फेंकने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पिकअप वाहन को रोककर उसमें रखे गत्ते की पेटियों से शराब के पव्वे सडक पर फेंकने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली में तैनात एएसआई अरूण कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके व्हटसएप पर एक वीडियो आया जिसमे उसने देखा कि पंकज बडवाल व दो अन्य व्यक्तियों ने गुमानीवाला पेट्रोल पम्प के सामने एक पिकअप वाहन को रोका तथा उसके पीछे रखी गत्ते की पेटियों में से शराब के पव्वो को सडक पर फेंकना शुरू कर दिया जिससे सडक पर कांच ही कांच हो गया तथा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन हो रहा था इस घटना से किसी मानव के साथ कोई घटना या मानव जीवन को खतरा उत्पन्न हो सकता था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवती से मोबाइल लूटने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने युवती से मोबाइल लूटकर भागने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का मोबाइल बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार साई लोक कालोनी निवासी मोनिका ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर की तरफ आ रही थी तभी मोटरसाईकिल सवार तीन युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। जिसके चलते पुलिस ने सन पार्क होटल के पास से चैकिंग के दौरा मोटरसाईकिल सवार तीन युवको को रोका। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम विकास प्रजापति पुत्र मेजर सिंह निवासी भाऊवाला, सत्यम चौधरी पुत्र महेन्द्र सिंह चौधरी व आकाश प्रजापति पुत्र मेजर सिंह निवासी भाऊवाला बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि वह नशे के आदी है तथा नशे की पूर्ति के लिए घटना को अंजाम देते हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

लाखों की चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दीपावली की रात मोबाइल शॉप की दीवार तोड़ लाखों का सामान चुराने के मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चोरी का सामान व घटना में प्रयुक्त लोहे की राड भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 12 नवम्बर की रात बदमाशों द्वारा मोबाइल शॉप की दीवार तोड़कर लाखों के सामान चुराने की घटना को अंजाम दिया गया था। इस चोरी के सम्बन्ध में थाना बहादराबाद में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने होटल ग्रेड लज्जा होटल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति शौकिन को दबोचकर उसके कब्जे से चोरी किये गये विभिन्न कम्पनियों के कुल 06 आई फोन, 28 टच स्क्रीन

मोबाइल, 10 की पेड, 16 व टेमपर्ड ग्लास व अन्य मोबाईल फोन के टूटे-फुटे फोल्डर व बोर्ड बरामद किए गए। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने चोरी किए गए सामान में से कुछ माल मुजफ्फरनगर निवासी युवक को बेचा है। आरोपी की निशांदेही पर पुलिस टीम ने चोरी के माल के खरीददार को भी अन्य माल व माल खरीदने में प्रयुक्त मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार दोनो आरोपी नशे के आदी हैं और अपने नशे के शौक पूरा करने के लिए चोरी-चकारी और दो नम्बर के काम करते थे।

घर के बाहर से मैक्स वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडे मैक्स वाहन को चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मिथ नगर निवासी मनवर सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना मैक्स वाहन घर के बाहर खडा किया था। आज जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसका वाहन अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अस्य प्रत्नामनु द्युतं शुक्रं दुदुह्रे अह्रयः।
पयः सहस्रसामृषिम्॥

(ऋग्वेद ९-५४-१)

दूरदर्शी विज्ञानी जन परमात्मा द्वारा रचित वेदों से ज्ञान प्राप्त करके इस संसार में उस हजारों शक्तियों वाले ब्रह्म अमृत का प्रसार करते हैं।

मारपीट कर सामान फेंकने व जेवरात चोरी में डेढ दर्जन पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट कर सामान बाहर फेंकने व जेवरात चोरी करने के मामले में पुलिस ने डेढ दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीताम्बरपुर आरकेडियाग्रांट निवासी मदन लाल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मकान ब्रिटिश काल से आंवटित है जो कि पुश्तैनी मकान है। वह उपरोक्त सम्पत्ति में निवास करता है। 30 नवम्बर को समय 11 बजे प्रातः कुछ व्यक्तियों ने धारदार हथियार लेकर उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट एवं बदसलूखी करने लगे जिनका नाम राजेन्द्र पुत्र किशन लाल, रजत पुत्र राजेन्द्र कुमार, रोहित पुत्र राजेन्द्र कुमार, नेहा पुत्री राजेन्द्र कुमार, वन्दना पुत्री राजेन्द्र कुमार, रजनी पत्नी राजेन्द्र कुमार, अमन पुत्र धर्मपाल, धर्मपाल रवि पुत्र प्रेम सिंह, देवेन्द्र कौर, रेखा पत्नी धर्मपाल, बसन्त एवं वसन्त की पत्नी, सन्तोष, ममता पत्नी सागर, सागर उपरोक्त व्यक्तियों के द्वारा उसके घर में घुसकर उसका सारा सामान घर के बाहर फेंक दिया गया है। उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा उसके घर में 30 नवम्बर को पार्टीशन करके टीन शेड निर्मित कराया गया है व मारपीट व धारदार हथियार से उसको व उसकी सगी बहनो जो कि उपरोक्त मकान में निवास कर रहे हैं, हमला किया जिसका उसने अपने मोबाइल से वीडियो बना ली है जिसमें साफ स्पष्ट नजर आ रहा है कि उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा गाली गलौज व डण्डों से उसको व उसकी बहन को मारकर लहुलुहान किया गया व उसका सारा सामान फेंक दिया गया व उसके पुश्तैनी जेवरात (सोने व चांदी के आभूषण) भी चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

10 लाख की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दस लाख की स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने आईएसबीटी ऋषिकेश के पास से संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को रोक कर चेक

किया गया तो उसके पास से कुल 100.88 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसको मौके से गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध कोतवाली ऋषिकेश पर एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम फरमान अली पुत्र काजी निवासी शहजाद नगर रामपुर बताया। पूछताछ में उसके द्वारा बरामद स्मैक को रामपुर से लेकर आना बताया गया, जिसे वह स्थानीय पेडलरो को सप्लाई करने की फिराक में था। आरोपी से पूछताछ में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त कुछ अन्य तस्करों के नाम प्रकाश में आए हैं, जिनके संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मारपीट कर जानलेवा हमला करने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। रेस्टोरेंट में घुसकर मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गढी कैण्ट निवासी वरून नरूला ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस शाम लगभग साढे छह पर अपने साथी आदित्य विक्रम सिंह राजपुर रोड उसके नव निर्माणाधीन रेस्टोरेंट जो की राजपुर रोड पर मसूरी डाइवर्जन से सांई मन्दिर से पहले होटल मैजिस्टिक इन के पास 10-12 लोगों ने हॉकी, पत्थर, लोहे की रोड, डंडे आदि से उनके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। वह दोनों अपनी कार महिंद्रा थार से भाग कर अपनी जान बचाते हुए किशनपुर मसूरी डाइवर्जन पर मौजूद पुलिस तक पहुंचे उन 10-12 लोगों ने उनकी गाड़ी के ऊपर हॉकी, डंडे, लोहे की रोड एवं पत्थर से हमला कर दिया था, जिससे उनकी कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है, उनकी जान बड़ी मुश्किल से बची है, उसें ऐसा लगता है कि ये हमलावर गिरोहबन्द किस्म के लोग हैं और उनसे लूटपाट कर उन्हें जान से मारने के उद्देश्य से इस घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ताकि सर्दियों में भी दमकती रहे आपकी त्वचा

सर्दियों में त्वचा का रूखा होना और फिर उस रूखी त्वचा में खुजली होना बहुत आम समस्या है. जैसे ही सर्दी आती है आप अपने हाथ पर हल्की-सी खुजली महसूस करनी शुरू कर देते हैं. अगर आप खुजाने लगते हैं तो सफेद लाल लकीरें पड़ जाती हैं. ड्राई और हार्श हवा अक्सर स्किन का मॉइश्चर सोख लेती है, जिसके कारण स्किन का फटना और जलन जैसी समस्याएं होने लगती हैं. ऐसे में आखिर क्या किया जाए कि आपकी त्वचा कोमल बनी रहे, आइए जानते हैं.

स्केलिंग, स्किन का पपड़ी बनकर निकलना और खुजली जैसी समस्याओं से बचने के लिए सर्दियों में अपनी स्किन का विशेष ध्यान रखें. लंबे समय तक हॉट शावर लेने से परहेज करें. दरअसल ये आपकी स्किन ड्राई होने लगती है. इसकी बजाए हल्के गर्म पानी से नाएं.

सर्दियों में स्किन पर रोजाना क्रीम बेस्ड मॉइश्चराइज़र जरूर लगाएं. स्किन पर मॉइश्चराइज़र लगाने का सबसे सही समय नहाने के तुरंत बाद का होता है.

जिन लोगों की स्किन बेहद सेंसटिव होती है उन्हें ऐसा मॉइश्चराइज़र इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें खुशबू या लानौलिन ना हो. क्योंकि लानौलिन स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है.

बार-बार हाथ धोने से कीटाणु तो शरीर तक नहीं पहुंच पाते, लेकिन आपको बता दें कि पानी और हर प्रकार का साबुन स्किन को ड्राई कर देते हैं. माइल्ड साबुन और मॉइश्चराइज़र का इस्तेमाल कर आप ड्राइनेस से लंबे समय तक दूर रह सकते हैं.

स्किन के नैचुरल मॉइश्चराइज़र को बनाए रखने के लिए साबुन का इस्तेमाल कम करें. हमेशा अपने चेहरा ढककर बाहर निकलें, साथ ही एसपीएफ वाली पेट्रोलियम बेस्ड बाम का इस्तेमाल करें.

सर्दियों में अगर होंठ फट रहे हैं तो इन पर पेट्रोलियम जैली या ग्लिसरीन लगाएं. घर से निकलते समय होंठों पर लिप बाम लगाना न भूलें.

ड्राई स्किन से बचने के लिए मसाज सबसे अच्छा उपाय है. नारियल के तेल से स्किन की मालिश करें, इससे रक्त का प्रवाह सही तरीके से होता है और स्किन मुलायम और चमकदार बनी रहती है.

फिट रहना है तो रात को थोड़ा कम खाएं

अगर आप देर रात जागते हैं तो इस दौरान खाने से दूरी आपकी नींद की कमी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम कर सकता है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। रात के समय कम खाने से आपकी एकाग्रता और सर्तकता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वरिष्ठ लेखक डेविड डिंगेज के अनुसार, रात के समय जागने वाले वयस्क लगभग ५०० कैलोरी की खपत करते हैं। डिंगेज के अनुसार, हमारे शोध से पता चला है कि देर रात जगने के बावजूद से खाने से बचने वाले लोग कई समस्याओं से दूर रह सकते हैं जिसमें तनाव प्रमुख है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान 44 प्रतिभागियों को लिया जिनकी उम्र 21 से ५० साल के बीच की थी। उन्हें दिन में बहुत सारा खाना और पानी आदि दिया गया। साथ ही इस दौरान उन्हें तीन रातों में केवल चार घंटे ही सोने दिया गया।

चौथी रात को २० प्रतिभागियों को खाना और पानी देना जारी रखा गया जबकि बाकी लोगों को रात १० बजे के बाद केवल पानी पीने की अनुमति दी गई। साथ ही इन सभी सुबह चार बजे सोने की अनुमति दी गई। शोध के अनुसार देर रात उपवास रखने वाले प्रतिभागी ज्यादा स्वस्थ्य और तरोताजा नजर आए। वहीं, देर रात खाते रहने वाले सुस्त रहे और उनकी एकाग्रता पर भी नाकारात्मक असर पड़ा।

पहली बार मां बनी हैं तो जानें ब्रेस्टफीडिंग करवाने के फायदे और नुकसान

पहली बार मां बनना एक अद्भुत अनुभव होता है। जब आपके जीवन में एक नन्हा सा नया मेहमान आता है तो उसकी देखभाल और पालन-पोषण में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। ब्रेस्टफीडिंग यानी स्तनपान कराना मां और बच्चे के लिए कितना फायदेमंद है, यह तो सभी जानते ही हैंलेकिन क्या आप जानती हैं कि ब्रेस्टफीडिंग को लेकर कुछ नुकसान भी हो सकते हैं? इसलिए ब्रेस्टफीडिंग शुरू करने से पहले इसके फायदों और नुकसानों के बारे में जान लेना बहुत जरूरी है। आइए हम ब्रेस्टफीडिंग से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण फायदे और नुकसान के बारे में।

ब्रेस्टफीडिंग के फायदे।

मां का दूध नवजात शिशु के लिए वरदान की तरह माना जाता है। मां के दूध में एंटीबॉडीज़ और व्हाइट ब्लड सेल्स जैसे प्रतिरक्षा तत्व उपस्थित होते हैं, जो बच्चे के शरीर में जाकर उसकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इन प्रतिरक्षा तत्वों की वजह से ब्रेस्टफेड बच्चे कम बीमार पड़ते हैं और उन्हें संक्रमण, वायरल बुखार, पेट की समस्याएं आदि होने का खतरा भी कम होता है।

जब मां अपने बच्चे को अपना दूध पिलाती है तो उन दोनों के बीच एक गहरा आध्यात्मिक और भावनात्मक बंधन बनता है। बच्चा जब मां की गोद में बैठकर दूध पीता है तो वह उसका स्पर्श और प्यार महसूस करता है।

मां का दूध बच्चे के मानसिक विकास के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। शोधों से पता चलता है कि जिन बच्चों को स्तनपान के रूप में मां का दूध मिला है, वे दूसरे बच्चों की तुलना में ज्यादा होशियार और बुद्धिमान होते हैं।

ब्रेस्टफीडिंग का नुकसान

कभी-कभी मां को स्तनपान के दौरान थोड़ी परेशानी हो सकती है। उदाहरण के लिए, निप्पल दर्द या फटना।

कुछ महिलाओं को पर्याप्त दूध नहीं आता। ऐसे में बच्चे को दूध की कमी होती है और दूध न निकलने पर निप्पल में दर्द होने लगता है।

कुछ दवाएं लेने वाली महिलाओं को स्तनपान नहीं करवाना चाहिए।

कई बार स्तनपान कराने से महिलाओं के स्तनों का आकार ढीला पड़ सकता है या उनमें झुर्रियां आ जाती है। इससे शरीर या बॉडी बिगड़ सकती है। (आरएनएस)

नए कानूनों पर ममता ने शाह को चिट्ठी लिखी

मोहन कुमार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अंग्रेजों को जमाने से चले आ रहे तीन अपराध कानूनों की जगह लाए जा रहे नए कानूनों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। ममता ने बुधवार को शाह को लिखी चिट्ठी में उनसे इन कानूनों के मामले में जल्दबाजी नहीं करने की अपील की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया है कि नए कानूनों पर सभी संबंधित पक्षों और हितधारकों के बीच आम सहमति बनानी चाहिए।

ममता बनर्जी ने बुधवार को चिट्ठी लिखी, जिस दिन अमित शाह पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे और उन्होंने अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने और राज्य की ममता बनर्जी सरकार को बदलने का आह्वान किया। अमित शाह को लिखी चिट्ठी में ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया कि अपराध कानूनों में आमूल-चूल बदलाव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा कानूनों में बदलाव का राजनीति पर भी प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि भारतीय दंड संहिता यानी आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और साक्ष्य कानून की जगह भारतीय साक्ष्य कानून लाया जा रहा है।

गृह मंत्रालय की संसदीय समिति ने इन कानूनों पर विचार किया है और सरकार को रिपोर्ट दी है। हालांकि कमेटी के सभी विपक्षी सदस्यों ने इसमें कई संशोधन सुझाए हैं और अपनी असहमति के नोट्स दिए हैं। इन कानूनों के चार दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में पारित होने की उम्मीद है। इन्हें लेकर ममता बनर्जी ने कहा- सुझाए गए बदलाव जनता को भी प्रभावित करेंगे। मुझे उम्मीद है कि विषय की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आप प्रस्तावित विधेयकों पर सभी हितधारकों के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे, न कि उन्हें पारित करने में जल्दबाजी करेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि इन कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हो सकता है।

खडके क्या यूपी से चुनाव लड़ सकते हैं?

मल्लिकार्जुन खडके के जीवन पर आई किताब के विमोचन समारोह के आयोजन के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि मल्लिकार्जुन खडके को कांग्रेस उत्तर भारत के किसी राज्य से चुनाव लड़ा सकती है। वे कर्नाटक के रहने वाले हैं। वे नौ बार लगातार कर्नाटक विधानसभा के सदस्य रहे और उसके बाद २००९ और २०१४ में गुलबर्गा सीट से लोकसभा का चुनाव भी जीते। वे अपने जीवन में पहली बार २०१९ में चुनाव हारे। उसके बाद पार्टी ने उनको राज्यसभा में भेजा। अभी वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं इसलिए वे देश के किसी भी राज्य में जाकर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे तो उन पर सवाल नहीं उठेगा। तभी इस बात की चर्चा है कि उनको उत्तर प्रदेश से लोकसभा का चुनाव लड़ाया जा सकता है। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि अगर बहुजन समाज पार्टी से कांग्रेस की बात नहीं बनती है तो खडके को उत्तर प्रदेश में प्रत्याशी बनाया जा सकता है। उनके लिए एक सुरक्षित सीट की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बहराइच और बाराबंकी में से किसी सीट से उनको लड़ाने पर विचार हो रहा है। इससे कांग्रेस को उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत में दलित वोट में मैसेज बनाने में कामयाबी मिली। यह मैसेज बनेगा कि कांग्रेस दलित प्रधानमंत्री बना सकती है। हालांकि कर्नाटक के कई नेता इसके पक्ष में नहीं बताए जा रहे हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपने गृह राज्य से लड़ाना चाहिए क्योंकि उससे पार्टी को फायदा होगा। तभी संभव है कि वे कर्नाटक और उत्तर प्रदेश दोनों जगह से चुनाव लड़ें। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

प्रोटीन का पावरहाउस है गोभी जैसी दिखने वाली ब्रोकली, खाने से शरीर बनता है स्ट्रांग

सेहत के दुरुस्त रखने में प्रोटीन की अहम भूमिका होती है। बहुत से लोग अंडे से प्रोटीन की जरूरत को पूरी करते हैं लेकिन रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में भी इसकी भरपूर मात्रा पाई जाती है। ऐसी ही एक सब्जी ब्रोकोली है, जो गोभी की तरह दिखती है लेकिन प्रोटीन के मामले में अंडे से कम नहीं है। शाकाहारी लोग इसके सेवन से प्रोटीन की आवश्यकता को पूरी कर सकते हैं। आइए जानते हैं ब्रोकली क्यों इतना फायदेमंद मानी जाती है।।।

ब्रोकली में कितना प्रोटीन

रिपोर्ट के मुताबिक, एक अंडा खाने से शरीर को करीब 6 ग्राम प्रोटीन मिलता है, जबकि १०० ग्राम ब्रोकली में करीब 3 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। इसका मतलब ब्रोकली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। अंडा न खाने वालों के लिए ये बेहतर ऑप्शन है।

ब्रोकोली के क्या-क्या फायदे

वजन कम करने में मददगार

ब्रोकली में अंडे के मुकाबिल कम कैलोरी पाया जाता है। इसमें 2.6 ग्राम डाइटरी फाइबर होता है, जो वजन कम करने में मददगार होता है। इसे खाने से वजन कम होता है और मोटापा भी बढ़ने नहीं पाता है।

कैंसर का खतरा कम

ब्रोकोली एक तरह की क्रूसिफेरस सब्जी होती है, जिसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये सभी कैंसर का कारण बनने वाली सेल्स को डैमेज होने से रोकने का काम करती हैं। इससे कैंसर का खतरा कम होता है।

हड्डियों को मिलती है मजबूती

कैल्शियम और कोलेजन हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। ब्रोकली में दोनों ही पाए जाते हैं। इसके अलावा इस सब्जी में विटामिन के भी पाया जाता है। जिसके नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस रोकने में मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम बनेगा मजबूत

ब्रोकोली में विटामिन सी अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। इसके सेवन से सर्दी के मौसम में कई तरह की समस्याओं से बच सकते हैं और बीमारियां दूर रहती हैं।

शाहरुख खान की डंकी का गाना निकले थे कभी हम घर से जारी

शाहरुख खान की फिल्म डंकी इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर फैंस आंखे गड़ाए बैठे हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है जिसके दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वहीं, अब धीरे-धीरे फिल्म के गाने और नए-नए टीजर रिलीज हो रहे हैं। अब फिल्म का नया गाना रिलीज हो गया है।

आज के दिन किंग खान के फैंस को डबल सरप्राइज मिला है। फिल्म के ड्राप 3 के साथ फिल्म का नया गाना निकले थे कभी हम घर से रिलीज कर दिया गया है। इस गाने को सोनू निगम ने अपनी आजाव दी है, जिसे सुन कोई भी मगन हो सकता है। हालांकि, गाना अभी सिर्फ लिरिक्स फॉर्म में है। लेकिन इसके बोल इतने कमाल के हैं जो किसी का भी दिल छू लेगें।

ये गाना एक खूबसूरत कहानी को बुनता है और फिल्म में भावनाओं की एक परत जोड़ता है, जो चार दोस्तों की शानदार कहानी और उनकी विदेश तक पहुंचने की कोशिश को बयां करता है। ये गाना वतन की यादों की गहराईयों में समा जाता है, जिसे अपने देश से दूर होकर एक अच्छे भविष्य की खोज में निकलें हर एक शक्स द्वारा दिल की गहराई से महसूस किया जा सकता है।

शाहरुख खान की फिल्म असल जीवन की कहानियों से प्रेरित दोस्ती की एक कहानी है। इस गाने में भी वो साफ नजर आ रहा है। गाना हार्डी, मनु, बुग्गू और बल्ली द्वारा अपने घर और दोस्तो और परिवार वालो को देखने की चाहत को बयान करता है।

फिल्म की बात करें तो, इसमें शाहरुख खान के साथ ही तापसी पन्नु, विक्की कौशल, विक्रम कोचर, बोमन ईरानी और अनिल ग्रोवर नजर आएंगे। फिल्म को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है तो वहीं गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। डंकी 22 दिसंबर को 2023 में रिलीज होने के लिए तैयार है।

शब्द सामर्थ्य -009

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

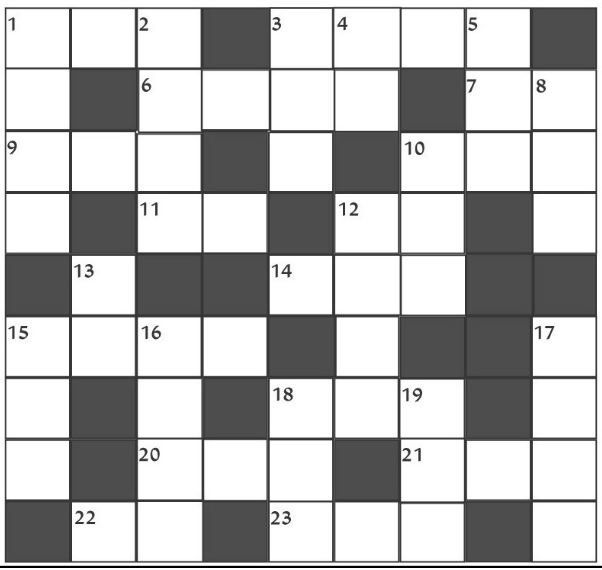

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 08 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

एनिमल के आगे सैम बहादुर ने भी दिखाया दम!

साल 2०23 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक विक्की कौशल स्टारर 'सैम बहादुर' बीत दिन सिनेमाघरों मे रिलीज हुई है. भारतीय सेना के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की रियल लाइफ बेस्ड इस फिल्म को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. दिलचस्प बात ये है कि ये फिल्म रणबीर कपूर की एनिमल के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. रणबीर की फिल्म का क्रेज तो सातवें आसमान पर है बावजूद इसके विक्की कौशल की फिल्म को भी रिलीज के पहले दिन दर्शकों से प्यार मिला है. इसी के साथ फिल्म ने 'सैम बहादुर' शानदार ओपनिंग की है. चलिए यहां जानते हैं विक्की कौशल की फिल्म ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?

'सैम बहादुर' को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है. विक्की कौशल के लीड रोल वाली इस फिल्म का क्लैश रणबीर कपूर की एनिमल से हुआ है. बावजूद इसके 'सैम बहादुर' भी दर्शकों का दिल छूने में कामयाब रही है. फिल्म में विक्की कौशल ने सैम मानेकशॉ के अपने किरदार से काफी इंप्रेस किया है और सोशल मीडिया पर एक्टर और उनकी इस फिल्म की जमकर तारीफ भी हो रही है. वहीं कमाई की बात करें तो 'सैम बहादुर' की रिलीज के पहले दिन की कमाई के आंकड़े आ गए हैं. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने पोस्ट शेयर कर 'सैम बहादुर की कमाई के शुरुआती आंकड़े जारी किए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक 'सैम बहादुर' ने रिलीज के पहले दिन 6.25 करोड़ रुपयों की कमाई की है. इसी के साथ ये फिल्म विक्की कौशल के करियर की तीसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई है.

रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' के आगे 'सैम बहादुर' की शुरुआत काफी धीमी रही है. जहां एनिमल ने 6० करोड़ से ओपनिंग की है तो वहीं 'सैम बहादुर' का पहले दिन का कलेक्शन 5.5० करोड़ रुपये रहा है. हालांकि फिल्म की सराहना हो रही है और ऐसे में इस फिल्म को पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिल सकता है और वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आ सकता है. अब हर किसी की निगाह बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है देखने वाली बात होगी कि 'एनिमल' के आगे 'सैम बहादुर' अपनी कमाई में कितने करोड़ जोड़ पाती है.

थिएटर्स के बाद अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज

अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा की फिल्म मिशन रानीगंज6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं, अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

थिएटर रिलीज के बाद अक्षय कुमार कि फिल्म मिशन रानीगंज अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है. ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है. इस बात की जानकारी खुद अक्षय कुमार और नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर दी है. इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया है. इस वीडियो में अक्षय कुमार फिल्म की थोड़ी सी कहानी बताते नजर आ रहे हैं. इसके बाद उन्हें जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है.

मिशन रानीगंज एक सच्ची घटना पर आधारित है. इस फिल्म में 1989 में कोयला खनिकों को बचाने वाले स्वर्गीय जयवंत सिंह गिल के बहादुर मिशन को दिखाया गया है. फिल्म में अक्षय कुमार ने जयवंत सिंह गिल का रोल अदा किया है. फिल्म की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और ये फिल्म राष्ट्रीय सिनेमा दिवस पर दर्शकों की पहली पसंद बनी.

फिल्म में अक्षय कुमार और परिणति चोपड़ा लीड रोल में है. फिल्म को वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और अजय कपूर द्वारा निर्मित है, वहीं, टीनू सुरेश देसाई द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म का म्यूजिक जेजस्ट का है। यह फिल्म उस कोयला खदान दुर्घटना को पर्दे पर जीवंत करती है जिसने न केवल देश बल्कि दुनिया को हिलाकर रख दिया था। ये फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

सालार के ट्रेलर में जबर्दस्त धांसू अवतार में छाए प्रभास

प्रभास पिछले काफी समय से अपनी फिल्म सालार-पार्ट 1 सीजफायर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया है। एक ओर प्रशंसक फिल्म के सिनेमाघरों में आने का इंतजार कर रहे हैं तो इसकी रिलीज तारीख में कई बार बदलाव हो चुका है। अब आखिरकार इसका ट्रेलर जारी हो गया है, जिसमें प्रभास के शानदार अंदाज ने प्रशंसकों को उत्सुक कर दिया है। आइए जानते हैं कि फिल्म का ट्रेलर कैसा है।

सालार की कहानी दो दोस्तों वर्धराज (पृथ्वीराज सुकुमारन) और देवा (प्रभास) के इर्द-गिर्द घूमती हैइसमें दिखाया गया है कि देवा, वर्धराज के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार है, लेकिन बाद में दोनों एक-दूसरे के सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैंट्रेलर में प्रभास एक्शन अवतार में धांसू लग रहे हैं तो पृथ्वीराज ने अपने अभिनय से दिल जीत लिया हैइसके अलावा फिल्म में वीएफएक्स और एक्शन को भी शानदार तरीके से दिखाया गया है।

बातचीत में निर्देशक प्रशांत ने बताया था कि दोस्ती की मूल भावना वाली इस फिल्म के पहले भाग में वे केवल आधी कहानी ही बताने वाले हैं। इन दोनों दोस्तों के इस सफर को 2 फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच लाया जाएगा।

सालार में प्रभास और पृथ्वीराज के साथ श्रुति हासन, जगपति बाबू, ईश्वरी राव, टीनू आनंद, श्रिया रेड्डी, माइम गोपी सहित कई शानदार सितारे शामिल हैंइसके अलावा फिल्म में गदर 2 में दिखाई दी अभिनेत्री सिमरत कौर भी एक गाने में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण विजय किरगंदूर ने अपने होम्बले फिल्म्स बैनर के तले किया है, जो केजीएफ और कंतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके हैं। प्रभास की यह फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

सालार पहले 28 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर इसके पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा न होने के चलते तारीख को आगे बढ़ा दिया गयाइसके बाद 22 दिसंबर की तारीख तय हुई, जिस दिन शाहरुख खान की फिल्म डंकी भी रिलीज होनी हैऐसे में खबरें आने लगीं कि निर्माता एक बार फिर रिलीज तारीख में बदलाव करने का विचार बना रहे हैं। डंकी और सालार से पहले हाल ही में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल और विक्की कौशल की सैम बहादुर के बीच टक्कर हुई है। इससे पहले सनी देओल की गदर 2 और अक्षय कुमार की ओह माय गॉड 2 की भिड़ंत हुई थी। सालार के बाद प्रभास एक और फिल्म के लिए प्रशांत के साथ सहयोग करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है दिल राजू इस फिल्म के निर्माता होंगे।अभिनेता दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म कल्कि 2898 एडी का हिस्सा हैं, जो अगले साल 12 जनवरी को रिलीज होगीप्रभास फिल्म कन्नप्पा के साथ 16 साल बाद नयनतारा के साथ भी पर्दे पर वापसी करेंगे तो वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी दिखाई देंगे।

अब टाइगर 3 की इन फिल्मों से होगा मुकाबला

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सलमान खान, इमरान हाशमी और कैटरीना कैफ जैसे सितारों से सजी फिल्म टाइगर 3 का जलवा देखने को मिल रहा है। फिल्म ने दिवाली (12 नवंबर) के मौके पर सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था और अब यह दुनियाभर में 45० करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी हैपिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आइए जानते हैं टाइगर 3 ने 19वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर 3 ने रिलीज के 19वें दिन 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 279.9० करोड़ रुपये हो गया हैफिल्म अभी 3०० करोड़ का आंकड़ा पार करने से थोड़ी दूर हैअब टिकट खिड़ी पर इस फिल्म का मुकाबला एनिमल और सैम बहादुर से होगाऐसे में अब कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों फिल्मों की रिलीज के बाद टाइगर 3 के लिए कमाई करना मुश्किल हो होगा। टाइगर फ्रैंचाइजी की शुरुआत 2०12 में फिल्म एक था टाइगर से हुई और इसके बाद टाइगर जिंदा है आई। दोनों ही फिल्मों ने जबरदस्त कमाई की थीइस यूनिवर्स की अब तक टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान रिलीज हो चुकी हैंटाइगर 3 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म हैटाइगर 3 में ऋतिक रोशन की वॉर 2 की पुष्टि हो गई, जो 14 अगस्त, 2०25 में रिलीज होगी। शाहरुख खान के साथ टाइगर वर्सेज पठान आएगी।

काले रंग की ड्रेस में भोजपुरी हीरोइन नेहा मलिक ने गिराई बिजलियां

जब-जब भोजपुरी हसीनाओं का नाम लिया जाता है तो उसमें एक्ट्रेस नेहा मलिक का नाम जरूर आता है। नेहा मलिक अपने प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपनी कातिलाना अदाओं के लिए इंटरनेट पर बवाल मचाए रहती हैं। जैसे ही वह अपनी कोई भी फोटो या वीडियो शेयर करती हैं, वैसे ही इंटरनेट का पर हाई हो जाता है। नेहा मलिक के चाहने वाले उनकी तस्वीरें देखने के लिए बेताब बैठे रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर कर दी हैं, जिन्हें देखने के बाद लोगों के दिलों की धडक नें तेज हो गई हैं और रातों की नींद उड़ गई हैं। नेहा मलिक की ये तस्वीरें इतनी ज्यादा अट्रैक्टिव हैं कि उन पर मिनट में ही लाइक्स और कमेंट की बहार आ गई है। नेहा मलिक के इस लेटेस्ट लुक को देखकर के लोग उन पर फिदा हुए जा रहे हैं और लोग कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है कि आसमान से अप्सरा उतर कर आ गई है। नेहा मलिक की लेटेस्ट तस्वीरें इतनी ज्यादा खूबसूरत हैं कि उन्हें देखकर लोगों के दिलों पर सांप लोटे जा रहे हैं। नेहा मलिक ने अपनी कातिलाना तस्वीरों को खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है, जिसमें उनका ऑल ब्लैक लुक लोगों के दिलों को धडक ा रहा है। उनकी ये फोटोस बहुत ही ज्यादा प्यारी लग रही हैं। शेयर की गई तस्वीरों में नेहा मलिक ने एक से बढक र एक दिल धडक ने वाले पोज दिए हैं, वहीं, हाई हील्स में तो उनका स्टाइल और भी ज्यादा ग्लैमरस लग रहा है। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब नेहा मलिक ने अपनी तस्वीरों से बवाल मचाया है। इससे पहले भी वह अपनी एक से बढक र एक ग्लैमरस और सिजलिंग अदाओं से लोगों के दिलों में छुरियां चलाती रहती हैं। नेहा मलिक के लिए उनके चाहने वालों की दीवानगी इतनी ज्यादा है कि लोग उनके सोशल अकाउंट्स पर नजरें गड़ाए बैठे रहते हैं। जैसे ही वह कोई पोस्ट करती हैं, वैसे ही लोग उन पर कमेंट्स और लाइक करना शुरू कर देते हैं। नेहा मलिक ने इन तस्वीरों में ब्लैक रंग की शॉर्ट ड्रेस कर रखी है और काले रंग का चश्मा लगा रखा है। लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने काले रंग की हील्स पहन रखी हैं। इससे वह काफी ज्यादा सिजलिंग नजर आ रही हैं। बता दें कि कई लोग तो नेहा मलिक को भोजपुरी सिनेमा की उर्फी जावेद भी कहते हैं।

राज्यपालों की भूमिका पर विचार जरूरी

अजीत द्विवेदी

इन दिनों राजनीति में इस्तेमाल किए जा रहे मुहावरे के हिसाब से कहें तो आजादी के 75 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ कि राज्यपालों के ऊपर सर्वोच्च अदालत को इतनी सख्त टिप्पणियां करनी पड़े, जितनी अभी करनी पड़ रही है। आजादी के बाद कई बार राज्यपालों की भूमिका पर सवाल उठे हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि सांस्थायिक रूप से राज्यपाल राज्य सरकारों के कामकाज में दखल दें, विधेयक रोकें, सरकारों पर गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी करें और समानांतर सरकार चलाने की कोशिश करें। राज्यपालों के ऐसे आचरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि न राज्यपालों पर इसका असर पड़ र है और न केंद्र सरकार इस पर ध्यान दे रही है। उलटे ऐसा लग रहा है कि सरकार भी चाहती है कि वे ऐसा ही आचरण करें। यह दुर्भाग्य है कि राज्यपालों ने राजभवनों को समानांतर सरकार चलाने का केंद्र बना दिया है। ऐसा सिर्फ उन्हीं राज्यों में हो रहा है, जहां विपक्षी पार्टियों की सरकारें हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि राज्यपालों को अचानक संविधान से मिले अपने अधिकारों की याद आ गई है और वे अपने को वास्तविक शासन प्रमुख समझने लगे हैं। जहां भाजपा की सरकार है वहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इसका यह मतलब नहीं है कि भाजपा की सारी सरकारें बहुत बढ़ि?ा और संविधान सम्मत तरीके से काम कर रही हैं, जबकि विपक्षी पार्टियों की सरकारें संविधान के प्रति सम्मान नहीं दिखा रही हैं।

ऐसा लग रहा है कि पानी सर के ऊपर से निकलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के स्थायी समाधान का फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने दो टूक अंदाज में कहा है कि राज्यपाल कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को बदलने का प्रयास नहीं कर सकते हैं। यह बहुत बड़ा फैसला है। इससे पहले सर्वोच्च अदालत ने इस मामले को इतनी गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक के बाद एक तीन राज्यों- केरल, तमिलनाडु और पंजाब के एक जैसे मामले कोर्ट में आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विस्तार से सुनवाई की और फैसला सुनाया। सर्वोच्च अदालत ने सिर्फ यह आदेश नहीं दिया कि राज्यपाल लंबित विधेयकों को जल्दी से जल्दी क्लीयर करें, बल्कि यह कहा है कि विधानसभा से पास विधेयकों को रोकने से कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया प्रभावित होती है।

ध्यान रहे कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्यों की विधानसभाओं को है। अगर किसी राज्य की विधानसभा ने कोई विधेयक पास किया है तो राज्यपाल उसे रोक कर कानून निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि इससे संघवाद का सिद्धांत प्रभावित होगा। केंद्र में जिसकी सरकार होगी वह राज्यपाल के जरिए राज्य सरकारों के बनाए कानून को रोकता रहेगा। तभी अदालत ने संविधान के अनुच्छेद दो सौ का हवाला देते हुए कहा कि उसमें निश्चित रूप से यह नहीं लिखा गया है कि राज्यपाल कितने समय में किसी विधेयक को मंजूरी दें लेकिन यह जरूर लिखा है कि 'जल्दी से जल्दी मंजूरी दें'। इसका मतलब है कि संविधान बनाने वालों की भावना यह रही है कि विधानसभा से पास होने के बाद जब विधेयक राज्यपाल के पास जाए तो वे उसे तुरंत मंजूरी दे। अगर उनको लगता है कि विधेयक में कुछ सुधार किया जाना चाहिए तो उसे वे तुरंत विधानसभा को लौटा दें। दूसरी बार विधेयक भेजे जाने के बाद राज्यपाल के लिए उसे मंजूरी देना अनिवार्य होता है। लेकिन वह मंजूरी भी जल्दी से जल्दी हो जानी चाहिए। अदालत ने साफ किया है कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनंतकाल तक नहीं लटका सकते हैं। उन्हें विधानसभाओं के बनाए कानून को वीटो करने का अधिकार नहीं है। सवाल है कि क्या राज्यपालों को इस टिप्पणी के बाद कुछ शरम आएगी और क्या वे उसी अंदाज में काम करेंगे, जैसे भाजपा के शासन वाले राज्यों में राज्यपाल कर रहे हैं? इसकी उम्मीद कम है और इसके कई कारण हैं।

सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद पंजाब के राज्यपाल ने दो विधेयकों को मंजूरी दी तो तमिलनाडु में राज्यपाल ने रोक कर रखे गए 10 विधेयक वापस लौटा दिए। हालांकि उसके तुरंत बाद सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर उन विधेयकों को फिर से पास किया और राज्यपाल के पास भेज दिया। इसी तरह केरल में राज्यपाल ने एक विधेयक को मंजूरी दी और सात विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए रोक लिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल को लेकर तीखी टिप्पणी की और पूछा कि वे दो साल तक विधेयक रोक कर क्या करते रहे?

पहला कारण तो यह है कि भाजपा और उसकी विरोधी पार्टियों के बीच विभाजन इतना ज्यादा हो गया है कि भाजपा जहां भी विपक्ष में है वहां उसे सरकार के हर काम का विरोध करना है। और चूंकि संगठन के तौर पर भाजपा भले दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है लेकिन हकीकत यह है कि जहां भी वह विपक्ष में है वहां वह सत्तारूढ़ दल के खिलाफ नहीं लड़ पा रही है। बतौर विपक्ष भाजपा कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रही है और न राजनीतिक लड़ाई लड़ पा रही है। तभी राजभवनों को लड़ाई का हथियार बनाया गया है। ऐसा लगता है कि जहां भी भाजपा विपक्ष में है वहां विपक्ष की लड़ाई राजभवन लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल और तमिलनाडु से लेकर पंजाब और दिल्ली तक हर जगह राज्यपाल ही मुख्य विपक्ष दल के तौर पर लड़ते दिखते हैं। हर बात के लिए वे सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं। उनकी लड़ाई अब सिर्फ विधेयक रोकने या विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून व्यवस्था से लेकर करप्शन तक के मसले पर राज्यपाल बयानबाजी करते हैं।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद पंजाब के राज्यपाल ने दो विधेयकों को मंजूरी दी तो तमिलनाडु में राज्यपाल ने रोक कर रखे गए 1० विधेयक वापस लौटा दिए। हालांकि उसके तुरंत बाद सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर उन विधेयकों को फिर से पास किया और राज्यपाल के पास भेज दिया। इसी तरह केरल में राज्यपाल ने एक विधेयक को मंजूरी दी और सात विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए रोक लिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल को लेकर तीखी टिप्पणी की और पूछा कि वे दो साल तक विधेयक रोक कर क्या करते रहे? सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा कि वह केरल सरकार के इस अनुरोध पर विचार कर रही है कि राज्यपालों के लिए एक दिशा-निर्देश तैयार किया जाए कि वे किन स्थितियों में किसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए रोक सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी निश्चित रूप से सरकार को अच्छी नहीं लगी होगी। इससे टकराव बढ़ सकता है।

अदालत ने हर बार कहा कि संविधान में बहुत साफ साफ शब्दों में लिखा हुआ है कि राज्यपाल मंत्रिमंडल की सलाह से काम करेंगे। पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है कि राज्यपाल मंत्रिमंडल के समानांतर काम कर रहे हैं या मंत्रिमंडल के फैसलों को रोक रहे हैं। इससे भारत में शासन और प्रशासन का पूरा ढांचा बिगड़ सकता है। पंजाब के राज्यपाल ने जिस कैजुअल तरीके से कह दिया था कि वे राज्य सरकार के खिलाफ राष्ट्रपति को सिफारिश कर देंगे, उससे नए खतरे का आभास होता है। पंजाब बेहद संवेदनशील राज्य है, जहां जनता के वोट से चुनी हुई प्रचंड बहुमत की सरकार है। उसके बारे में इस तरह की टिप्पणी बेहद गैरजिम्मेदार मानी जाएगी। लेकिन दुर्भाग्य से कई राज्यपाल इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं या ऐसे आचरण कर रहे हैं, जो पद की गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उम्मीद करनी चाहिए कि अदालत की सख्ती के बाद इसमें कुछ सुधार होगा।

सू- दोकू क्र.009

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.08 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियां

अगर मुकदमों का निपटारा समयबद्ध तरीके से नहीं होता है तो नागरिकों के अदालत का दरवाजा खटखटाने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अब भी लोग न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। अकेले अक्टूबर के महीने में देश भर की अदालतों में 16 लाख से ज्यादा मामले पहुंचे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च न्यायपालिका में नियुक्ति के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के जरिए जजों की बहाली का सुझाव दिया तो उनके सामने ही देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से डरना नहीं चाहिए क्योंकि अदालतें आम लोगों के लिए ही हैं। देश की प्रथम नागरिक और चीफ जस्टिस दोनों की बातें सुनने में बहुत अच्छी लग रही हैं। लेकिन क्या सचमुच प्रतियोगिता परीक्षाओं के जरिए जजों की नियुक्ति से न्यायपालिका की समस्याएं या उसकी चुनौतियों का समाधान हो जाएगा? और क्या आम नागरिकों के न्यायालयों का दरवाजा खटखटाने से उनको न्याय मिलना सुनिश्चित हो जाएगा? इन दोनों पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है। महामहिम राष्ट्रपति ने जो कहा उससे पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के जरिए जजों की नियुक्ति होगी तो उच्च न्यायपालिका में विविधता सुनिश्चित होगी और ज्यादा प्रतिभाशाली लोग न्यायिक सेवा में आएंगे। लेकिन असल में ऐसा होने की कोई गारंटी नहीं है। उलटे जजों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था से छेड़छाड़ से न्यायिक सेवाओं की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर भी हो सकता है। ध्यान रहे निचली अदालतों में न्यायिक सेवाओं के जरिए मजिस्ट्रेट की बहाली होती है लेकिन उच्च अदालतों में जज बनने के लिए बार से ज्यादा सिफारिशें की जाती हैं। अगर हाई कोर्ट्स में न्यायिक सेवा के जरिए बहाली होगी तो संभव है कि दुनिया के अच्छे संस्थानों से पढ़ कर आए और अच्छी प्रैक्टिस कर रहे वकील परीक्षा में हिस्सा न लें। मौजूदा व्यवस्था में अच्छे वकीलों की सहमति लेकर उनके नाम कॉलेजियम की ओर से नियुक्ति के लिए भेजे जाते हैं। इस व्यवस्था में भी कई कमियां हैं, लेकिन उन्हें सुधार कर इसे बेहतर किया जा सकता है।

इसी तरह नागरिकों को न्यायालयों का दरवाजा खटखटाने की सलाह देना अच्छी बात है लेकिन न्याय सुनिश्चित करना उतना आसान नहीं है। देश भर की अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़ मुकदमे लम्बित हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 7० लाख केस ऐसे हैं, जो पांच से 1० साल की अवधि के हैं तो 32 लाख से ज्यादा केस 1० से 2० साल पुराने हैं। पांच लाख केस 2० से 3० साल पुराने हैं और 3० साल से ज्यादा समय से लम्बित मुकदमों की संख्या भी करीब एक लाख है। तभी सवाल है कि अगर मुकदमों का निपटारा समयबद्ध तरीके से नहीं होता है तो नागरिकों के अदालत का दरवाजा खटखटाने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अब भी लोग न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। अकेले अक्टूबर के महीने में देश भर की अदालतों में 16 लाख से ज्यादा मामले पहुंचे। तभी सर्वोच्च अदालत और सरकार दोनों को मिल कर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि अदालतों में पहुंचने वाले मुकदमों का समयबद्ध निपटारा हो। इसके लिए जजों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे का विकास दोनों जरूरी है। (आरएनएस)

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री को लगाया फ्लैग

संवाददाता

देहरादून। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय के निदेशक बिग्रेडियर अमृतलाल (सेवानिवृत्त) व उपनिदेशक कर्नल एमएस जोधा ने फ्लैग लगाया।

आज यहां सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर अमृत लाल (से.नि.) उप निदेशक कर्नल एम.एस.जोधा (से.नि) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फ्लैग लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने वाले अपने वीर सैनिकों पर हमें गर्व है। 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' का यह अवसर राष्ट्र के सजग प्रहरियों के अविस्मरणीय बलिदानों और सेवाओं को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी दिन है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के नागरिकों से 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष' में सैनिक परिवारों के कल्याण के लिए अपना योगदान देने की भी अपील की है।

मारपीट कर वाहन को क्षतिग्रस्त करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने व वाहन को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीमावाला निवासी देवेन्द्र सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले शुभम ने उसके साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब उसको बचाने के लिए उसके चाचा बीच में आये तो उसने उनके साथ भी मारपीट कर उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया और जाते हुए उनको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने निवेशकों का स्वागत किया

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले निवेशकों का स्वागत किया। आज उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए बाहर से निवेशकों को उत्तराखंड की पावन धरती पर स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि निवेशकों के उत्तराखंड आने से यहां का कारोबार बढ़ेगा साथ ही यहां के युवाओं को रोजगार भी मिल पाएंगे जिससे बेरोजगारी पर कुछ हद तक रोक लगा सकेगी। बाहर से निवेशकों के आने से शहर की टूटी-फूटी सड़कों का जिर्णोद्धार हुआ है। शहर की बदरंग पड़ी दीवारों पर भी रंग रोगन होने से दीवारों की सुंदरता बढ़ गई है। परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और प्रभात डंडरियाल ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री के उत्तराखंड में आने से यहां का विकास कार्य जो रुक गया था वह अब पूरा हो रहा है। परिषद के कार्यकर्ताओं में आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गुसाई व प्रदेश के अध्यक्ष विपुल नौटियाल अन्य कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को बार-बार उत्तराखंड का दौरा करें ताकि तेजी से कार्यों में विकास हो सके।

किसानों की समस्याओं को लेकर पूर्व ...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कि इससे तो अच्छा था कि वह किसानों को कुछ देते ही नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों के साथ इस तरह का मजाक नहीं करना चाहिए था। भाजपा कहां तो किसानों की आय दो गुना करने की बात करती है लेकिन किसानों की समस्याओं और दुख दर्द से सरकार को कोई सरोकार नहीं है। सरकार के इस रवैया से हरिद्वार के किसान खासे नाराज हैं उनकी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए आज वह यहां धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के अलावा और भी बड़े-बड़े नेता आ रहे हैं वह चाहते हैं कि किसानों की बात दिल्ली के नेताओं के कानों तक भी पहुंच सके। उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि वह अपने सशक्त प्रकाशन और प्रचार के माध्यम से उनकी बात सरकार तक पहुंचाने में उनकी मदद करें इसके लिए वह मीडिया के आभारी होंगे। इस अवसर पर उनके साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक और हरिद्वार के कुछ किसान नेता तथा किसान भी थे।

विधायक बत्रा ने छात्रसंघ कार्यालय का किया उद्घाटन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विधायक प्रदीप बत्रा द्वारा मुख्य अतिथि के तौर पर डीएवी डिग्री कॉलेज में छात्र संघ कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएवी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर एमपी सिंह ने की।

इस अवसर पर विधायक बत्रा ने एबीवीपी के सभी विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान अतिथियों का स्वागत छात्र संघ के अध्यक्ष अभिजीत पाल, उपाध्यक्ष श्रविका राजयहान, महासचिव गौरव जाट, सह- सचिव तनिष्का त्यागी, कोषाध्यक्ष मनीषा सिरसवाल, विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि जुनैद मलिक आदि द्वारा किया गया। बता दें कि डीएवी डिग्री कॉलेज में छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सभी सीटों पर जीत हांसिल की थी। पिछले कई वर्षो से जीत हासिल करती आ रही एनएसयूआई इस बार खाता भी नहीं खोल पाई थी।

होटल के कमरे में शव मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी क्षेत्रांर्तगत एक होटल के कमरे में युवक का शव मिलने पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के रोडवेज के पास एक होटल में गाजियाबाद निवासी एक व्यक्ति का शव मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान विकास मिश्रा (47) पुत्र हरीश शरण मिश्रा निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है। जो चार दिसंबर को घर से किसी काम के लिए हल्द्वानी आया था।

मृतक ने रोडवेज के पास एक होटल में कमरा लिया था। बताया जा रहा है कि मृतक की बहन द्वारा लगातार उससे संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन उसने फोन नही उठाया ,इसके बाद उसने होटल मालिक को फोन किया। होटल का कमरा अंदर से बंद था। जिस पर कर्मचारियों ने दूसरी चाबी से कमरा खोला तो विकास बेड पर बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। जिसकी सूचना होटल कर्मचारियों ने पुलिस को दी, पुलिस विकास को अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मृतक विकास के परिजनों को इसकी सूचना दी है फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। बहरहाल पुलिस होटल में लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाल रही है।

16 ऑल इंडिया बार एक्जाम में 79 प्रतिशत एडवोकेट पास

संवाददाता

देहरादून। ऑल इंडिया बार एक्जाम में 2022 तक आयोजित 16 परीक्षाओं में 79 प्रतिशत एडवोकेट पास हुए।

देश भर में आगामी 10 दिसम्बर को वकालत की प्रैक्टिस करने के लिये अनिवार्य ऑल इंडिया बार एक्जाम आयोजित किया गया है। इस परीक्षा में 2022 तक आयोजित 16 परीक्षाओं में 79 प्रतिशत 5 लाख 32 हजार नये एडवोकेट पास हुये हैं। प्रत्येक परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों का प्रतिशत 62 से 88 प्रतिशत रहा है। यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के लोक सूचना अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के लोक सूचना अधिकारी से ऑल इंडिया बार एक्जाम में परीक्षा देने तथा पास होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या की सूचना मांगी। इसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी ने आर.टी.आई पोर्टल के माध्यम से ऑन लाइन 2022 तक आयोजित 16 ए.आई.बी.ई परीक्षाओं को देने वाले अभ्यर्थियों तथा इसमें पास हुये अभ्यर्थियों की संख्या की सूचना उपलब्ध करायी है। नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार ए. आई.बी.ई. परीक्षा एक से 16 तक कुल 671911 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे हैं इसमें से 79 प्रतिशत 532002 परीक्षार्थी ही पास हुये है, केवल 21 प्रतिशत 139909 परीक्षार्थी ही अनुतीर्ण हुये हैं। इतना पास प्रतिशत होना आगामी 10 दिसम्बर 2023 को देश भर में होने वाले ए.आई.बी.ई. परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिये संतोष की बात है।

फरार चल रहा बाइक चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 19 नवम्बर को सूरज पुत्र कंबल निवासी सालियर रुड़की द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि उसकी बाइक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस को आज सुबह सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल युवक सालियर स्थित अपने घर में देखा गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर आरोपी विकास पुत्र मोतीलाल निवासी सालियर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

भुवनेश्वर-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस में लगी आग

कटक । ओडिशा में कटक रेलवे स्टेशन पर भुवनेश्वर-हावड़ा जनशताब्दी ट्रेन के एक कोच में आग लगने की घटना सामने आई है। फायर सर्विस के कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया और बड़ा हादसा होने से टल गया। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक कटक रेलवे स्टेशन पर रुकने के लिए हावड़ा-जनशताब्दी एक्सप्रेस में जैसे ही ब्रेक लगा, एक कोच के पहियों के पास से धुआं निकलने लगा। फिर देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। कटक रेलवे स्टेशन के अधिकारी और फायर ब्रिगेड कर्मी बिना देर किए मौके पर पहुंच गए और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। सुरक्षा जांच के बाद ट्रेन को अपने गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने एक बयान में कहा, श्ब्रेक-बाइंडिंग (पहिए से ब्रेक शू के अलग न होना) के कारण 12074 भुवनेश्वर-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस को कटक रेलवे स्टेशन पर सुबह 6.30 बजे से रोका गया। पहिए से ब्रेक शू को अलग करने के बाद ट्रेन लगभग 7.15 बजे कटक से रवाना हुई। पहिए से ब्रेक शू के अलग नहीं होने के कारणों की जांच की जा रही है।

अलवर सीट से सांसद बाबा बालकनाथ ने दिया इस्तीफा

अलवर। राजस्थान में कुर्सी की लड़ाई के बीच बाबा बालकनाथ ने लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की है। उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ स्पीकर से मुलाकात की और फिर अपना इस्तीफा सौंपा। बाबा बालकनाथ राजस्थान के अलवर सीट से सांसद थे और मौजूदा विधानसभा चुनाव में तिजारा से विधायक चुने गए हैं। चुनाव में बड़ी जीत के बाज से ही बाबा बालकनाथ को लेकर सोशल मीडिया पर समर्थकों का अभियान चल रहा है। उनके समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बालकनाथ के स्पीकर से मिलने के बाद उन्होंने सीएम बनाने की अटकलें और तेज हो गई है। बीजेपी के ब्रांड नेता माने जाते हैं और बाबा बालकनाथ का पहनावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आगित्यनाथ की ही तरह भगवा पहनते हैं। राजस्थान में लोग उन्हें योगी कहकर भी बुलाते हैं। अलवर और आसपास के इलाकों में बालकनाथ की अच्छी पकड़ मानी जाती है। यह वजह है कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट दिया। वे बीजेपी के हिंदुत्वादी एजेंडे के लिए फिट माने जाते हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे, सांसद दीया कुमारी, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अलावा बाबा बालकनाथ को भी संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में सांसद बाबा बालकनाथ को मैदान में उतारा था

आयकर विभाग की रेड में मिले इतने नोट कि गिनते-गिनते मशीनें हुई खराब

नई दिल्ली। झारखंड और ओडिशा में आयकर विभाग ने बौध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड पर बुधवार को छापेमारी की और कंपनी से जुड़े परिसरों से भारी मात्रा में करेंसी नोट बरामद किए। बुधवार तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी थी, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक होने के कारण मशीनों ने काम करना बंद कर दिया। बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड पर टैक्स चोरी के शक में आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को कई स्थानों पर छापेमारी की। आयकर विभाग की छह टीम जांच कर रही है। आयकर विभाग की टीम के साथ सीआईएसएफ के जवान भी शामिल हैं। बता दें कि बुधवार को आयकर विभाग की टीम ने झारखंड से राज्यसभा के कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू के रांची, लोहरदगा और ओडिशा स्थित पांच से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। धीरज साहू झारखंड के एक प्रमुख व्यावसायिक और राजनीतिक परिवार से आते हैं। वह कांग्रेस की ओर से दो बार राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। सांसद साहू का पैतृक आवास लोहरदगा में है, जबकि रांची के रेडियम रोड में उनके परिवार का बंगला है। इन दोनों जगहों पर सुरक्षा बलों के साथ इनकम टैक्स की टीमें बुधवार सुबह पहुंचीं। इसके अलावा ओडिशा के सुंदरगढ़ में भी उनसे संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

एसटीएफ ने लाखों की ठगी करने वाले को किया राजस्थान से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। कनाडा में रह रहे बेटे का मित्र बताकर साढे नौ लाख रूपये की ठगी करने वाले को एसटीएफ टीम ने राजस्थान से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुआ जिसमें अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शिकायतकर्ता पटेलनगर देहरादून निवासी को फोन कॉल द्वारा धोखा धड़ी करके 9,40,000 रूपये ठगे गये हैं। शिकायतकर्ता की पत्नी को 09. जून 2023 को एक नंबर से फोन कॉल आया कि वह उसके बेटे हरप्रीत का दोस्त सरब बोल रहा है जो कि कनाडा रहता है। जिससे कि परिवार के लोग परिचित हैं उससे बात की तो सरब के द्वारा कहा गया कि वह एक जमीन लेना चाहता है ओर उसका बजट 80 लाख रूपये तक हैं और उसने 15 लाख रूपये की ट्रांसफर रसीद भेजी परंतु खाते में रकम नहीं आयी। फिर कुछ समय बाद आरोपी का फोन आता है कि आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, में 2,50,000 रूपये ट्रैवल एजेंट गुरू चरण सिंह निवासी

कीर्तीनगर, दिल्ली को दे दो उसकी मां बहुत बीमार है। पीडित विश्वास करते हुये 09 जून 2023 को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पटेलनगर देहरादून की एटीएम मशीन में ट्रैवल एजेन्ट द्वारा दिये गये खाते मे नगद जमा करा दिये। इसी प्रकार से भिन्न-भिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 9 लाख 40 हजार रूपये की धोखाधडी कर लेने सम्बन्धी शिकायत के आधार पर पटेल नगर पुलिस स्टेशन, मुकदमा दर्ज कर तथा जांच साइबर क्राईम थाने के दरोगा के सुपुर्द की गयी। मुकदमें में ठग के विरुद्ध कार्यवाही हेतु गठित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, तथा आरोपी द्वारा पीडित से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रकाश में आया कि आरोपी द्वारा पीडित से कनाडा में रह रहे बेटे का दोस्त बताकर भारत में जमीन खरीदने का झांसा देकर लाखो रूपये ट्रांसफर के फर्जी मैसेज भेजकर व यकीन दिलाकर विभिन्न खातो में रूपये मंगाकर लाखो की धोखाधडी की गयी। तकनीकी विश्लेषण के बाद प्रकाश में आया कि संदिग्ध ठग का राजस्थान से सम्बन्ध होना पाया गया जिसमें टीम को सम्बन्धित स्थानों को रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर साक्ष्य एकत्रित करते हुये पूर्व में मुकदमें में एक आरोपी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र सियोजीराम निवासी लोसेल, तहसील दतारामगढ़, जिला सीकर, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया था। तत्पश्चात मुकदमें में सह आरोपी किशोर कुमार पुत्र साबरमल निवासी असुला मोहल्ला, लोस थाना लोसल जिला सीकर राजस्थान को कैथल राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से घटना में प्रयुक्त 02 मोबाईल फोन बरामद किये गये। किशोर कुमार उपरोक्त के विरुद्ध थाना साइबर क्राईम कैथल में 27 लाख की धोखाधड़ी के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज है।

मोटरसाईकिल सवारों ने लूट युवती से मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने युवती के हाथ से मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार साईलोक कालोनी निवासी मोनिका चौहान ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह इंजीनियर एन्क्लेव के पास साई लोक के मोड पर पहुंची तभी मोटरसाईकिल सवार तीन युवक उसके पास आये और उसके हाथ से उसका मोबाइल लूटकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

निवेशकों का महाकुंभः कल..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

सकते हैं।

समिट से पहले 2.5 लाख करोड़ के निवेश लक्ष्य से अधिक एमओयू साइन होने से यह उम्मीद जताई जा रही है कि यह लक्ष्य से कई गुना ज्यादा भी हो सकता है। जो राज्य की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बदलने की दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकता है। इस समिट के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा आज फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। इस प्रोग्राम की सुरक्षा में 600 पुलिसकर्मी व चार प्लाटून पीएसी की तनाती के अलावा दर्जन भर बड़े अधिकारी तैनात किए गए हैं। राज्य भर से 50 के आसपास आईएएस और पीसीएस अधिकारियों को अलग-अलग कामों की जिम्मेदारी सौंप गई है। समारोह स्थल एफ आर आई में आगंतुकों के लिए मंच और बैठने के स्थान तथा आसपास डेमो स्टेशन की भव्य तैयारी की गई है जिससे उत्तराखंड की संस्कृति व प्रगति तथा प्रकृति से आंगतुकों को परिचित कराया जा सके।

खाई में गिरी कार, एक की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में देर रात एक कार के खाई में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दूसरा गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया और मृतक व घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल व्यक्ति की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार हादसा यमुनोत्री हाईवे पर चामी गांव के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि यहां एक कार देर रात विकासनगर से बड़कोट जा रही थी। इस दौरान अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मौके पर रेस्क्यू कार्य शुरू किया।

बताया जा रहा है कि कार में दो युवक सवार थे। जिसमें से एक की मौत हो गई है। जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया है। पुलिस ने रेस्क्यू कर मृतक व घायल को बाहर निकाला और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका अभी इलाज चल रहा है। घायल की पहचान रवि कुमार पुत्र संतराम निवासी बद्रीनाथ मार्ग श्रीनगर गढ़वाल के रूप में हुई है। तो वहीं मृतक की पहचान मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर के रूप में की गयी है।

8 दिसम्बर को सचिवालय में अवकाश घोषित

संवाददाता

देहरादून। वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दृष्टिगत शासन ने 8 दिसम्बर को सचिवालय में अवकाश घोषित कर दिया है। 16 दिसम्बर को सचिवायल खुला रहेगा।

आज यहां सचिव विनोद कुमार सुमन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि 8-9 दिसम्बर को देहरादून में आयोजित होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दृष्टिगत तथा उत्तराखण्ड सचिवालय द्वारा की गयी विशेष मांग को ध्यान में रखते हुए सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि 8 दिसम्बर को सचिवालय में अवकाश रहेगा। इस अवकाश के स्थान पर 16 दिसम्बर दिन शनिवार को उत्तराखण्ड सचिवालय खुला रखा जाएगा तथा सामान्य कार्य दिवस की भांति समस्त राजकीय कार्य किये जायेंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।